06/09/24

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उप०। विप्रार्थी सं. 1 के वकील उप०। प्रार्थी वकील के विप्रार्थी सं. 1 के प्रार्थना पत्र का जवाब पेश किया। विप्रार्थी वकील के बहस हेतु समय चाहा, विप्रार्थी सं. 1 के वकील के आपत्ति करते हुए कथन किया कि प्रार्थी वकील मात्र और मात्र प्रकरण को लम्बा करना चाहते है। अतः उनकी बहस सुनी गयी। विप्रार्थी सं. 1 के वकील की बहस [illegible]। विप्रार्थी सं. 1 के वकील ने बहस के प्रा[illegible] में वर्णित व कार्य को प्रो [illegible] की आड़ में आवेदन [illegible] ध्यान आकृष्ट [illegible] गयी। प्रार्थी वकील

Signature Not Verified
Digitally signed by Suraj Bhan Vishnoi
Date: 2024.09.10 11:06:48 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए।
	को बहस में कथन करने हेतु कहा गया, लेकिन प्रार्थी वकील समय चाहते हैं, अत: विप्रार्थी सं. 1 के वकील की बहस पर मनन किया। पत्रावली का अध्ययन अवलोकन किया जिससे स्पष्ट होता है कि प्रार्थी वकील को 07 दिवस के Rej Ad [illegible] पेश करने हेतु आदेशित किया गया था, बावजूद पेश नहीं किये, प्रार्थी वकील बहस के लिए बार-बार समय चाह रहे हैं जिससे स्पष्ट होता है कि प्रार्थी वकील ने Clean Hand से आवेदन पेश नहीं किया व एवं न्यायालय की प्रक्रिया पूर्ण नहीं करना चाहते हैं। अत: न्यायहित में विप्रार्थी सं. 1 का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वादग्रस्त आराजी में विप्रार्थी सं. 1 के विरुद्ध जारी अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा निरस्त की जाती है। आवेदन में आगे की कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाकर आवेदन खारिज किया जाता है। [illegible] के मुताबिक होकर दाखिल [illegible] के मुताबिक [illegible] Signature Not Verified Digitally signed by Suraj Bhan Vishnoi Date: 2024.09.10 11:06:48 IST Reason: SelfAttested सहायक कलक्टर (SDO) चौहटन	